

आरती जय संतोषी मां की

मैं तो आरती उतारूँरे संतोषी माता की
जय जय संतोषी माता जय जय मां
बड़ी ममता है बड़ा प्यार मां की आँखों में
बड़ी कसूणा माया दुलार मां की आँखों में
क्यूँ न देखूँ मैं बारम्बार मां की आँखों में
दिखे हर घड़ी नया चमत्कार मां की आँखों में
नृत्य करूँझूम झूम झम झमा झम झूम झूम
झाँकी निहारूँरे ओ प्यारी-२ झाँकी निहारूँरे
मैं तो आरती उतारूँरे संतोषी माता की ।
जय जय संतोषी माता जय जय मां
सदा होती है जय जयकार मां के मन्दिर में
नित झाँझर की हो झंकार मां के मन्दिर में
सदा मंजीरे करते पुकार मां के मन्दिर में
दिखे हर घड़ी नया चमत्कार मां के मन्दिर में
दीप धरूँधूप धरूँप्रेम सहित भक्ति करूँ
जीवन सुधारूँरे ओ प्यारी-२ जीवन सुधारूँरे
मैं तो आरती उतारूँरे संतोषी माता की ।

विवरण

जय हे माँ संतोषी ! हम आपकी आरती उतार रहे हैं । आपकी आँखों में अपने भक्तों के प्रति बड़ा ही अपनापन है, प्रेम है, दया एवं लाड़प्यार है, फिर मैं आपके इस अनुपम स्म को बार-बार क्यों नहीं देखूँ ? आपके इस स्म में हर समय नई - नई विचित्रता ही दिखाई देती है ।

आपकी इन निराली आँखों को देखकर झूम-झूम कर नृत्य करूँगी तथा आपकी झाँकी देखूँगी एवं आपकी आरती उतारा करूँगी । हे माँ! आपके मन्दिर में सदा आपकी जय - जयकार होती रहती है तथा हमेशा

पायलों की झंकार से आपका मन्दिर गूँजता रहता है तथा आपके भक्त गण हमेशा आपकी पुकार करते रहते हैं तथा आपके मन्दिर में कोई अद्भुत चमत्कार होता ही रहता है ।

मैं दीपक एवं धूप जलाकर अनुराग पूर्वक आपकी पूजन करूँगी तथा आपकी भक्ति को पाकर अपना जीवन साकार कर लूँगी तथा आपकी आरती उताँरूँगी ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.